

Exponential increase in cost of RAW MATERIAL (Polymers) by Private companies and PSU's

SAVE 50,000 Plastics Processing Units - 90% are MSME's.
SAVE Livelihood of 50 Lakh Families

- Rationale of Price increases by Domestic Plastic Polymer Producers are not justified as compared to international prices
- Shortage of Plastic Polymers in the country
- Plastic Industry is facing huge working capital and related financial issues
- Threat of increased imports of Plastic Intermediates and finished goods
- Export of Plastics Products may take a severe hit

SR. NO.	RAW MATERIAL	PERCENTAGE INCREASE OF PRICE IN LAST 5 MONTHS
1.	PVC	64%
2.	ABS	140%
3.	PC	111%
4.	HDPE	28%
5.	LLDPE	29%
6.	Polypropylene	34%
7.	GPPS	43%
8.	HIPS	48%
9.	PPCP	34%
10.	PET	22%
11.	LDPE	43%

APPEAL TO HON'BLE PRIME MINISTER OF INDIA

- Constitute a 'PETROCHEMICAL REGULATORY AUTHORITY' to curb the consortium and undue profiteering persisting in the petrochemicals industry.
- PSUs in India like IOCL, GAIL, BCPL and OPAL should support the Domestic Plastic Processing Units by serving them in a fair manner and should ensure reasonable and fair pricing mechanism. They should ensure smooth and regular supplies.
- Govt should immediately halt the process of imposing Non-Tariff Barriers on Raw materials such as Anti-dumping duty and mandatory BIS standards specially where India is import dependent as several grades are not produced in the country and consumption of several polymers is much higher than its domestic production.
- Immediately ban/ restrict export of Raw material from India to ease out the supply in the country and to check the price increase.
- Decrease the import duty to NIL on those Plastic Raw materials wherein India is import dependent.

ISSUED ON BEHALF OF LEADING PLASTIC ASSOCIATIONS OF INDIA

- The All India Plastics Manufacturers' Association (AIPMA)
- Gujarat State Plastics Manufacturers Association (GSPMA)
- Kerala Plastics Manufacturers Association
- Karnataka State Plastics Association
- Maharashtra Plastics Manufacturers Association
- Organization of Plastics Processors of India (OPPI)
- Indian Plastics Federation (IPF), Kolkata
- Telangana and Andhra Plastics Manufacturers Association
- Canara Plastic Manufacturers & Traders Association

Please Contact Us : office@aipma.net



प्लास्टिक-पेट्रो केमिकल्स उद्योग माटे नियामक स्थापना वडा प्रधानने विनंती

मुंबई, ता. २ : पेट्रोकेमिकल्समा अयोग्य रीते खाली नफाखोरीने

लाघी प्लास्टिक उत्पादन अने प्रोसेसिंग उद्योग मुश्किलीमा आवा गयो छे अने पटी लांगवाने आरे बोवाथी तेने रोका माटे नियामक स्थापना मागणी देशभरमा १००० वषु संगठनोनु प्रतिनिधित्व करता प्लास्टिकना उत्पादा, प्रोसेसरोना संगठने वडा प्रधान नरेन्द्र मोदीने पत्र लापीने मागणी करी छे.

संगठनोने प्लास्टिक उद्योगने टकावी राभना अने चीन जेवा अन्य देशो साथे स्पर्धात्मक राभना माटे अन्टी-डम्पिंग क्यूटी लाडवानु भंष करवा, करिषात बीरार्थनो पोरोवा, कवा मावो पर आयातरो घटाववा अने देशमाथी कवा मालनी निकास

पर प्रतिभंष लाडवानी पडा साथे मागणी करी छे.

प्लास्टिक उत्पादको अने प्रोसेसिंग उद्योगनु प्रतिनिधित्व करता १००० वषु संगठनोने वडा प्रधानने पत्र लायो छे. आ पत्र पर व ओल इन्डिया प्लास्टिक्स मेन्युकेयरर्स असोसिएशनना प्रेसिडन्ट बंङकांत तुरेचिया, ओर्गेनाइजेशन ऑफ प्लास्टिक्स प्रेसिडन्ट महेश खन्वी, इन्डियन प्लास्टिक्स असोसिएशनना प्रेसिडन्ट रमेश रातेरिया, गुजरात स्टेट प्लास्टिक्स मेन्युकेयरर्स असोसिएशनना प्रेसिडन्ट शैलेश पटेल, कर्नाटक स्टेट प्लास्टिक्स असोसिएशनना प्रेसिडन्ट विष्णु कुमार, महाराष्ट्र प्लास्टिक्स मेन्युकेयरर्स

असोसिएशनना प्रेसिडन्ट रवि

जशानाही, डेरण प्लास्टिक्स मेन्युकेयरर्स असोसिएशनना प्रेसिडन्ट बालकृष्ण भट्टाकुरुंजे, तेलंगणा अने आंध्रना प्लास्टिक्स असोसिएशनना प्रेसिडन्ट विमलेश गुप्ता, केनरा प्लास्टिक्स मेन्युकेयरर्स अन्ड ट्रेडर्स असोसिएशनना प्रेसिडन्ट भी अ नजीर सखितना संगठनोना

प्रयुक्तोने सहरी करी छे.

भारतमा प्लास्टिक्स उद्योगना ५०,००० वषु प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग युनिट्स छे, जे माथी ८० टका अमअसमेमई छे. बेर ५० लाख वषु लोकने रोजगार आपे छे अने देशनी खरीपीमा ३० लाख लाख करोड योगदान आपे छे.

महामारीने लाघे उद्योगमा

भागशीमा तीव्र घटावो घयो छे. ते कवा मालनी भयेमा बेसुमार वधारने लाघे कर्षणीय भूमी अने संरक्षित नाशाक्षीय मुदाओनो सामनो करी रह्यो छे. चीन जेवा देशमा थो प्लास्टिक्स इन्टरमिडियेट अने फिनिश मालनी वषती आयातनो वषतो अतरो भारतने आत्मनिर्भर अनाववाना तमारा ध्येय अने योजनामा मोटो पध्दको सिद्ध भयो. कवा मालनी किमतमा वधारने लाघे भारतीय प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग युनिट्स वैश्विक बाजारमा उच्च स्पर्धात्मक निकासने मोटो इटको पड्यो. भारतीय प्लास्टिक मालना निकासकारो आंतरराष्ट्रीय

बाजारमा स्पर्धा नहो करी

शक्यो, कारवा के पोलीमरनी किमतो भारतनी तुलनामा आंतरराष्ट्रीय बाजारमा १०-१५ टका सस्ती छे, अम व ओल इन्डिया प्लास्टिक्स मेन्युकेयरर्स असोसिएशनना अर्जनिंग कर्निस्विला बेरमैन अरविंद भट्टाकुरुंजे जेवायु वतु.

देशमा आ १० अरब

संगठनो ५०,००० वषु उद्योगनो प्रतिनिधित्व करे छे अने ५० लाख लोकने रोजगार आपे छे. बेर देशनी खरीपीमा ३० लाख लाख वषु करोडो संघु योगदान आपे छे अने ते कृषि, आरोग्य संगणना, पाव प्रक्षिप्ता, इन्फ्रस्ट्रक्चर, टेलिकम्युनिकेस अने ओटो इन्धनोन्स जेवा बेरो माटे महत्वपूर्ण छे.

मांग: पेट्रोकेमिकल की मुनाफाखोरी रोकें पीएम मोदी से प्लास्टिक संगठनों ने लगाई गुहार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. देश के 10 प्लास्टिक संगठनों ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर उद्योग को संकट से उबारने की गुहार लगाई है। संगठनों का कहना है कि कच्चे माल का भाव बढ़ाकर पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री मुनाफाखोरी कर रही है। चीन से मुकाबले के लिए कच्चे माल के निर्यात पर रोक लगाने व आयात शुल्क घटाने के साथ एंटी डंपिंग ड्यूटी नहीं लगाने और बीआइएस की अनिवार्यता खत्म करने का सुझाव इन संगठनों ने दिया है। ऑल इंडिया प्लास्टिक मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रकांत तुराखिया ने कहा कि पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री की लामबंदी पर

50 लाख रोजगार

प्लास्टिक उद्योग में 50 हजार से ज्यादा प्रोसेसिंग युनिट हैं, जिनमें 90 प्रतिशत सूक्ष्म और लघु उद्योग इकाइयां हैं। इस उद्योग में 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिला है। बीते पांच महीनों में पीवीसी, एबीए, पोलीप्रॉपलीन, पीवीसी आदि कच्चे माल की कीमतों में 20 से 140 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

अंकुश के लिए सरकार को नियामक संस्था बनानी चाहिए। कंपनियां प्रोसेसिंग इकाइयों को कच्चे माल की आपूर्ति रोक रही हैं।

खबर को विस्तार से पढ़ें
patrika.com

नवराष्ट्र

प्लास्टिक उद्योगातील नफेखोरीला आळा घालण्यासाठी पंतप्रधानांकडे मागणी

मुंबई : प्लास्टिक उत्पादक आणि प्रक्रिया उद्योगांनी पेट्रोकेमिकल्स उद्योगाकडून करण्यात येणाऱ्या अवाजवी नफेखोरीला आळा घालण्यासाठी पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्याकडे नियामक प्राधिकरण नेमण्याची मागणी केली आहे. हा उद्योग ढासळण्याच्या मार्गावर असून त्याला वाचवण्यासाठी तत्काळ उपाययोजना करण्याची गरज असल्याची मागणी करण्यात आली. देशातील कच्च्या मालाच्या उत्पादकांकडून किमतीमध्ये करण्यात येणाऱ्या भरमसाठ भाववाढीमुळे संकटात आलेल्या उद्योगाला वाचवण्यासाठी तत्काळ मदत करावी, अशी विनंती देशातील दहा आघाडीच्या प्लास्टिक उत्पादक व प्रक्रिया संघटनांनी मा. पंतप्रधानांकडे केली आहे.

Plastic industry seeks regulatory body

PRESS TRUST OF INDIA
MUMBAI, 6 DECEMBER

Plastic manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of complete collapse.

In a letter written to Prime Minister Narendra Modi on 26 November, plastic manufacturers and processors—represented by more than 10 associations across the country—have jointly demanded setting up of a regulatory body, according to a statement.

The associations have also demanded to stop imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban or restrict export of raw material to enable the plastic industry to survive and



remain competitive with other countries like China.

The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSMEs employing more than 50 lakhs people directly and contributing more than Rs 3 lakhs crore to the country's gross domestic product.

The associations have urged the prime minister to help the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the sharp increase in price of raw material by raw material manufacturers in the country.

To elaborate their grievances, the associations have

said in the letter that the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased multi-fold ranging between 20 and 140 per cent over the last five months.

"The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals." Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner.

"Rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices," the letter has stated. Domestic producers demand anti-dumping proceedings on select grades of polymers on which they are already charging premium due to constrained availability.

Raw material manufacturers export the raw material in large quantities and create scarcity of the polymer raw materials resulting in an exponential rise in price of raw material by petrochemicals companies in the last five months, the letter has said.

The plastic manufacturers and processors have sought to constitute the Petrochemical Regulatory Authority to ensure that the PSUs like IOCL, GAIL, BPCL support the domestic processing units by serving them in a fair manner and fair pricing mechanism.

Plastic industry alleges fleecing by petchem units

Mumbai, Dec. 2: Plastic manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of collapse.

In a letter to Prime Minister Narendra Modi on November 26, plastic manufacturers and processors—represented by more than 10 associations—have jointly demanded setting up of a regulatory body, a statement said.

The associations have also demanded a stop to imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, reduced import duty on raw material and a ban or curbs on export of raw material to enable the plastic industry to survive and remain competitive against countries like China.

The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSMEs employing more than 50 lakh directly and contributing more



urged the prime minister to help the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the sharp increase in the prices of raw materials supplied by domestic manufacturers.

The associations have said the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased between 20 and 140 per cent over the last five months.

"The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals.

"Unfortunately, PSUs

The Statesman Mon, 07 December 2020
https://epaper.thestatesman.com/c/56855062



ગુજરાત સમાચાર

પેટ્રોકેમિકલ ઉદ્યોગમાં નફાખોરી રોકવા

નિયામક સ્થાપવા પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદકો-પ્રોસેસરોની વડાપ્રધાનને રજૂઆત

(વાણિજ્ય પ્રતિનિધિ)

મુંબઈ, ગુરુવાર

પેટ્રોકેમિકલ્સમાં અયોગ્ય રીતે ચાલતી નફાખોરીને લીધે પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદન અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગ મુશ્કેલીમાં આવી પડ્યો

છે અને પડી ભાંગવાને આરે હોવાથી તેને બચાવવા માટે નિયામક સ્થાપવાની માંગ દેશભરના ૧૦થી વધુ સંગઠનોએ વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીને પત્ર લખીને કરી છે.

પાંચ મહિનામાં કાચા માલના ભાવમાં ૨૦ થી ૧૪૦ ટકા વધારો : પડી ભાંગવા આવેલા આ ઉદ્યોગને બચાવી લેવા માટે તુરંત પગલાં લેવા કરેલો અનુરોધ

સંગઠનોએ પ્લાસ્ટિક ઉદ્યોગને ટકાવી રાખવા અને ચીન જેવા અન્ય દેશો સાથે સ્પર્ધાત્મક રાખવા માટે એન્ટિ-ડમ્પિંગ ડ્યુટી લાદવાનું બંધ કરવા, ફરજિયાત બીઆઈએસ ધોરણો, કાચા માલો પર આયાત વેરો ઘટાડવા અને દેશમાંથી કાચા માલની નિકાસ પર પ્રતિબંધ લાદવાની પણ આ સાથે માંગ કરી છે. ૨૬ નવેમ્બરે પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદકો અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગનું પ્રતિનિધિત્વ કરતા ૧૦થી વધુ સંગઠનોએ વડાપ્રધાનને પત્ર લખ્યો છે. જેમાં ધ ઓલ ઇન્ડિયા પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, ઓર્ગેનાઈઝેશન ઓફ પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસર્સ ઓફ ઇન્ડિયા, ઇન્ડિયન પ્લાસ્ટિક્સ ફેડરેશન-કોલકત્તા, ગુજરાત સ્ટેટ પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, કર્ણાટક સ્ટેટ પ્લાસ્ટિક્સ એસોસિયેશન, મહારાષ્ટ્ર પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, કેરળ પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, આંધ્ર પ્રદેશ પ્લાસ્ટિક્સ એસોસિયેશન, કેનેરા પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એન્ડ ટ્રેડર્સ એસોસિયેશનના પ્રમુખોએ હસ્તાક્ષર કરી આ પત્ર મોકલ્યો છે.

ભારતમાં પ્લાસ્ટિક્સ ઉદ્યોગમાં ૫૦ હજારથી વધુ પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસિંગ યુનિટો છે, જેમાંથી ૮૦ ટકા એમએસએમઈ છે. આ

ક્ષેત્ર ૫૦ લાખથી વધુ લોકોને રોજગાર આપે છે અને દેશની જીડીપીમાં ૩.૪૯ લાખ કરોડનું યોગદાન આપે છે. દેશમાં કાચા માલના ઉત્પાદકો દ્વારા કાચા માલોની કિંમતમાં નાટકીય વધારાને લીધે પડી ભાંગવાને આરે હોઈ તેને બચાવી લેવા વડાપ્રધાનને ધ ઓલ ઇન્ડિયા પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશનના પ્રમુખ ચંદ્રકાંત તુરખિયાએ અનુરોધ કર્યો છે. છેલ્લા પાંચ મહિનામાં પીવીસી, એબીએસ, પોલીપ્રોપીલીન, પીસી, પીઈટી જેવા કાચા માલોના ભાવમાં ૨૦ થી ૧૪૦ ટકા વધારો થઈ ગયો છે. પેટ્રોકેમિકલ કંપનીઓ ઘર આંગણના પ્રોસેસિંગ યુનિટોને પુરવઠો નિયંત્રિત કરીને અને નિયમિત અંતરે ભાવમાં વધારો કર્યા પછી સામગ્રી છોડીને પોલીમરના ભાવમાં ઉછાળાનો લાભ લઈ રહી છે. બદનસીબે પીએસયુ પણ ખાનગી સાહસિકો સાથે જોડાઈ છે અને તેમને તાલે નાથી રહી છે અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગને યોગ્ય રીતે સેવા આપતી નથી. ઘર આંગણના ઉદ્યોગો દ્વારા ભાવમાં વધારો આંતરરાષ્ટ્રીય ભાવની તુલનાએ ન્યાયી નથી. એમ પણ જણાવ્યું છે. ઘર આંગણે પેટ્રોકેમિકલ્સ ઉત્પાદકો દરિયા પારના ઉત્પાદકોની જેમ ફોર્વર્ડ કોન્ટેન્ટરમાં પડતા હોવાથી ઘર આંગણની કંપનીઓ દ્વારા ભાવમાં રમત અને ચેડાં

આસાનીથી શક્ય બને છે. કોરોના મહામારીના લીધે ઉદ્યોગમાં માંગમાં તીવ્ર ઘટાડો થયો છે, ત્યારે કાચા માલોના ખર્ચમાં બેસુમાર વધારાના કારણે કાર્યકારી મૂડી અને સંબંધિત નાણાકીય સમસ્યાઓનો સામનો ઉદ્યોગ કરી રહ્યો છે. ચીન જેવા દેશમાંથી પ્લાસ્ટિક્સ ઈન્ટરમીડિયેટ્સ અને ફિનિશ માલોની વધતી આયાતનો વધતો ખતરો ભારતને આત્મનિર્ભર બનાવવાના ધ્યેય અને યોજનામાં મોટી પીછેહઠ બની રહેશે એવી ઉદ્યોગે ચિંતા બતાવી છે. ભારતીય પ્લાસ્ટિક માલોના નિકાસકારો આંતરરાષ્ટ્રીય બજારમાં સ્પર્ધા નહીં કરી શકે, કારણ કે પોલીમરના ભાવમાં ભારતની તુલનાએ આંતરરાષ્ટ્રીય બજારમાં ૧૦ થી ૧૫ ટકા સસ્તી છે. એમ ધ ઓલ ઇન્ડિયા પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશનના ગવર્નિંગ કાઉન્સિલના ચેરમેન અરવિંદ મહેતાએ જણાવ્યું હતું. આ સંજોગોને ધ્યાનમાં લઈ પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદકો અને પ્રોસેસરોએ પેટ્રોકેમિકલ નિયામક પ્રાધિકરણ તુરંત સ્થાપવા, આઈએસીએલ, ગેઈલ, બીપીસીએલ જેવી પીએસયુ યોગ્ય રીતે અને યોગ્ય કિંમતે સેવા આપીને ઘર આંગણના પ્રોસેસિંગ યુનિટોને ટેકો આપે એની ખાતરી રાખવી જોઈએ એવો અનુરોધ કરાયો છે.

Urdu News

وزیراعظم نریندر مودی سے ریگولیٹری اتھارٹی کی بنیاد رکھنے کی درخواست

ممبئی ۲ دسمبر: (پریس ریلیઝ) پلاسٹک مینو فیکچર્સ اور پروડیسર્સ پیટروکیمیکલ ઇન્ડસ્ટ્રી મિલ મનાફેક્ચરિંગ ઇન્ડસ્ટ્રી એસોસિયેશન ઓફ ઇન્ડિયા (આઈએસઆઈએ) ને રીગુલેટરી ઓથોરિટીની જોડવાની માંગ કરી છે. આઈએસઆઈએ એસોસિયેશનના પ્રમુખ ચંદ્રકાંત તુરખિયાએ નરેન્દ્ર મોદીને પત્ર લખીને આ માંગ રજૂ કરી છે. તેમાં જણાવવામાં આવેલું છે કે, પાંચ મહિનામાં કાચા માલના ભાવમાં ૨૦ થી ૧૪૦ ટકા વધારો થઈ ગયો છે. પેટ્રોકેમિકલ કંપનીઓ ઘર આંગણના પ્રોસેસિંગ યુનિટોને પુરવઠો નિયંત્રિત કરીને અને નિયમિત અંતરે ભાવમાં વધારો કર્યા પછી સામગ્રી છોડીને પોલીમરના ભાવમાં ઉછાળાનો લાભ લઈ રહી છે. બદનસીબે પીએસયુ પણ ખાનગી સાહસિકો સાથે જોડાઈ છે અને તેમને તાલે નાથી રહી છે અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગને યોગ્ય રીતે સેવા આપતી નથી. ઘર આંગણના ઉદ્યોગો દ્વારા ભાવમાં વધારો આંતરરાષ્ટ્રીય ભાવની તુલનાએ ન્યાયી નથી. એમ પણ જણાવ્યું છે. ઘર આંગણે પેટ્રોકેમિકલ્સ ઉત્પાદકો દરિયા પારના ઉત્પાદકોની જેમ ફોર્વર્ડ કોન્ટેન્ટરમાં પડતા હોવાથી ઘર આંગણની કંપનીઓ દ્વારા ભાવમાં રમત અને ચેડાં

પ્રેશાન ہیں۔

ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ನಿಯಂತ್ರಣ ಪ್ರಾಧಿಕಾರಕ್ಕೆ ಒತ್ತಾಯ
ಬೆಂಗಳೂರು: ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ಉದ್ಯಮವನ್ನು ಸಂರಕ್ಷಿಸಲು ನಿಯಂತ್ರಣ ಪ್ರಾಧಿಕಾರ ರಚಿಸಬೇಕು ಎಂದು ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ಉತ್ಪಾದಕರ ಸಂಘವು ಕೇಂದ್ರ ಸರ್ಕಾರವನ್ನು ಒತ್ತಾಯಿಸಿದೆ. 5 ತಿಂಗಳಲ್ಲಿ ಪಿವಿಸಿ, ಎಬಿಎಸ್, ಪಾಲಿಪ್ರೋಪಲೀನ್, ಪಿಸಿ ಹಾಗೂ ಪಿಇಟಿ ಸೇರಿ ಇನ್ನಿತರ ಕಚ್ಚಾವಸ್ತುಗಳ ಬೆಲೆ ಶೇ.20ರಿಂದ ಶೇ.140 ಹೆಚ್ಚಿದೆ. ಇದರಿಂದ ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ಮತ್ತು ಸಂಸ್ಕರಣ ಉದ್ಯಮ ಕುಸಿಯುವಂತಾಗಿದೆ. ಕಚ್ಚಾ ವಸ್ತುವಿನ ರಫ್ತು ನಿಷೇಧಿಸಿದರೆ ಚೀನಾದಂತಹ ದೇಶಗಳ ಜತೆ ಸ್ಪರ್ಧೆ ನಡೆಸಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿದೆ ಎಂದು ಪ್ರಧಾನಿ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿ ಅವರಿಗೆ ಬರೆದ ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ಸಂಘದ 10 ರಾಜ್ಯ ಶಾಖೆಗಳು ಮನವಿ ಮಾಡಿವೆ.

મુંબઈ સમાચાર

પ્લાસ્ટિક ઉદ્યોગના નિયામક સ્થાપવા વડા પ્રધાનને અપીલ

મુંબઈ: દેશમાં ૧૦ મુખ્ય પ્લાસ્ટિકના સંગઠનોનું વડપણ કરતા આ ઉદ્યોગે દેશમાં કાચા માલના ઉત્પાદકો દ્વારા કાચા માલની કિંમતમાં ઓચિંતા ઉછાળાથી મુશ્કેલીમાં મુકાયેલા પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગને ઉગારી લેવા વડા પ્રધાનને અપીલ કરી છે. પેટ્રોકેમિકલ્સમાં અયોગ્ય રીતે ચાલતી નફાખોરીને લીધે પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદન અને પ્રોસેસિંગ મુશ્કેલીમાં આવી ગયો છે. નિયામક સ્થાપવા દેશભરનાં ૧૦થી વધુ સંગઠનોનું પ્રતિનિધિત્વ કરતા પ્લાસ્ટિકના ઉત્પાદકો, પ્રોસેસરોના સંગઠને નરેન્દ્ર મોદીને પત્ર લખીને માગણી કરી છે. ચીન જેવા અન્ય દેશો સાથે સ્પર્ધાત્મકતા રાખવા માટે એન્ટીડમ્પિંગ ડ્યૂટી લાદવાનું બંધ કરવા, ફરજિયાત બીઆઈએસ ધોરણો, કાચા માલો પર આયાતવેરો ઘટાડવા અને દેશમાંથી કાચા માલની નિકાસ પર પ્રતિબંધ લાદવાની પણ આ સાથે માગણી કરી છે.

THE ASIAN AGE

Plastic industry alleges fleecing by petchem units

Mumbai, Dec. 2: Plastic manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of collapse.

In a letter to Prime Minister Narendra Modi on November 26, plastic manufacturers and processors—represented by more than 10 associations—have jointly demanded setting up of a regulatory body, a statement said.

The associations have also demanded a stop to imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, reduced import duty on raw material and a ban or curbs on export of raw material to enable the plastic industry to survive and remain competitive against countries like China.

The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSMEs employing more than 50 lakh directly and contributing more than Rs 3 lakh crore to the country's GDP.

The associations have



urged the prime minister to help the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the sharp increase in the prices of raw materials supplied by domestic manufacturers.

The associations have said the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased between 20 and 140 per cent over the last five months.

"The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals.

"Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players," the letter stated. —PTI

પેટ્રોકેમિકલ ઉદ્યોગમાં નફાખોરી રોકવા

નિયામક સ્થાપવા પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદકો-પ્રોસેસરોની વડાપ્રધાનને રજૂઆત

(વાણિજ્યપ્રતિનિધિ)

પેટ્રોકેમિકલ્સમાં અયોગ્ય રીતે ચાલતી નફાખોરીને લીધે પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદન અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગ મુશ્કેલીમાં આવી પડ્યો

મુંબઈ, ગુરુવાર

પાંચ મહિનામાં કાચામાલના ભાવમાં ૨૦ થી ૧૪૦ ટકા વધારો : પડી ભાંગવા આવેલા આ ઉદ્યોગને બચાવી લેવા માટે તુરંત પગલાં લેવા કરેલો અનુરોધ

સંગઠનોએ પ્લાસ્ટિક ઉદ્યોગને ટકાવી રાખવા અને ચીન જેવા અન્ય દેશો સાથે સ્પર્ધાત્મક રાખવા માટે એન્ટી-ડમ્પિંગ ડ્યૂટી લાદવાનું બંધ કરવા, ફરજિયાત બીઆઈએસ ધોરણો, કાચા માલો પર આયાતવેરો ઘટાડવા અને દેશમાંથી કાચા માલની નિકાસ પર પ્રતિબંધ લાદવાની પણ આ સાથે માંગ કરી છે. ૨૬ નવેમ્બરે પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદકો અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગનું પ્રતિનિધિત્વ કરતા ૧૦થી વધુ સંગઠનોએ વડાપ્રધાનને પત્ર લખ્યો છે. જેમાં ધ.ઓલ ઈન્ડિયા પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, ઓર્ગેનાઈઝેશન ઓફ પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસર્સ ઈન્ડિયા, ઈન્ડિયન પ્લાસ્ટિક્સ ડેવેલપમેન્ટ કોલેક્ટીવ, ગુજરાત સ્ટેટ પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, ક્વોન્ટિટી સ્ટેટ પ્લાસ્ટિક્સ એસોસિયેશન, મહારાષ્ટ્ર પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, કેરળ પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, આંધ્ર પ્રદેશ પ્લાસ્ટિક્સ એસોસિયેશન, કેન્દ્રીય પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એન્ડ ટ્રેડર્સ એસોસિયેશનના પ્રમુખોએ હસ્તાક્ષર કરી આ પત્ર મોકલ્યો છે.

ભારતમાં પ્લાસ્ટિક્સ ઉદ્યોગમાં ૫૦ હજારથી વધુ પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસિંગ યુનિટો છે, જેમાંથી ૮૦ ટકા એમએસએમઈ છે. આ

ક્ષેત્ર ૫૦ લાખથી વધુ લોકોને રોજગાર આપે છે અને દેશની જીડીપીમાં ૩.૫ ટકાના કરોડનું યોગદાન આપે છે. દેશમાં કાચા માલના ઉત્પાદકો દ્વારા કાચા માલની કિંમતમાં નાટકીય વધારાને લીધે પડી ભાંગવાને આરે હોઈ તેને બચાવી લેવા વડાપ્રધાનને ધ.ઓલ ઈન્ડિયા પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશનના પ્રમુખ ચંદ્રકાંત તુરખિયાએ અનુરોધ કર્યો છે. છેલ્લા પાંચ મહિનામાં પીવીસી, એબીએસ, પોલીપ્રોપીલીન, પીસી, પીઈડી જેવા કાચામાલોના ભાવમાં ૨૦ થી ૧૪૦ ટકા વધારો થઈ ગયો છે. પેટ્રોકેમિકલ કંપનીઓ ઘર આંગણના પ્રોસેસિંગ યુનિટોને પુરવઠો નિયંત્રિત કરીને અને નિયમિત અંતરે ભાવમાં વધારો કર્યા પછી સામગ્રી છોડીને પોલીમરના ભાવમાં ઉછાળાનો લાભ લઈ રહી છે. બદનસીબી પીએસયુ પણ ખાનગી સાહસિકો સાથે જોડાઈ છે અને તેમને તાલે નાચી રહી છે અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગને યોગ્ય રીતે સેવા આપી નથી. ઘર આંગણના ઉદ્યોગો દ્વારા ભાવમાં વધારો આંતરરાષ્ટ્રીય ભાવની તુલનાએ ન્યાયી નથી, એમ પણ જણાવ્યું છે. ઘર આંગણે પેટ્રોકેમિકલ્સ ઉત્પાદકો દરિયાપારના ઉત્પાદકોની જેમ કોર્વર્ડ ક્રેન્ટેક્ટમાં પડતા હોવાથી ઘર આંગણની કંપનીઓ દ્વારા ભાવમાં રમત અને ચેડાં

TIMES OF INDIA

Save industry from collapse, plastic makers urge PM Modi

Mumbai: The All India Plastics Manufacturers' Association has written to PM Narendra Modi, requesting him to save the industry from total collapse. They have said that a steep rise in raw material (resin) has sounded the death knell for the industry which can be saved from collapse if urgent measures are taken.

In his letter, the association's president Chandrakant Turakhia has said that the pandemic has broken the bone of the industry, and now, unnatural rise in raw material by petrochemical firms has aggravated the situation.

He added that the PM's vision of Atmanirbhar Bharat — or self-reliant India — will suffer a big blow if plastic products are imported from China as cost of production there is much lower than in India.

As a solution, the letter said: "Constitute a petrochemical regulatory authority to curb the consortium and undue profiteering persisting in the petrochemicals industry. Government should investigate the reason for artificial rise in the price of raw material by all polymer manufacturers in India." — PTI

JAI HIND - AHMEDABAD

SATURDAY • 5-12-2020 09

પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદકો અને પ્રોસેસરો દ્વારા

પેટ્રોકેમિકલ્સ ઉદ્યોગમાં નફાખોરી રોકવા મુદ્દે નિયામક સ્થાપવા વડાપ્રધાનને રજૂઆત

અમદાવાદ, ૪ ડેકેમ્બર: પેટ્રોકેમિકલ્સમાં અયોગ્ય રીતે ચાલતી નફાખોરીને લીધે પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદન અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગ મુશ્કેલીમાં આવી ગયો છે અને પડી ભાંગવાને આરે હોવાથી નિયામક સ્થાપવાની માગણી દેશભરના ૧૦થી વધુ સંગઠનોનું પ્રતિનિધિત્વ કરતા પ્લાસ્ટિકના ઉત્પાદકો, પ્રોસેસરોના સંગઠને વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીને પત્ર લખીને માગણી કરી છે. ચીન જેવા અન્ય દેશો સાથે સ્પર્ધાત્મક રાખવા માટે એન્ટી-ડમ્પિંગ ડ્યૂટી લાદવાનું બંધ કરવા, ફરજિયાત બીઆઈએસ ધોરણો, કાચા માલો પર આયાતવેરો ઘટાડવા અને દેશમાંથી કાચા માલની નિકાસ પર પ્રતિબંધ લાદવાની પણ આ સાથે માગણી કરી છે.

પ્લાસ્ટિક પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગને ઉગારી લેવા રજૂઆત થઈ

૨૬ નવેમ્બરે પ્લાસ્ટિક ઉત્પાદકો અને પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગનું પ્રતિનિધિત્વ કરતા ૧૦થી વધુ સંગઠનોએ વડાપ્રધાનને પત્ર લખ્યો છે. જેમાં ધ.ઓલ ઈન્ડિયા પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, ઓર્ગેનાઈઝેશન ઓફ પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસર્સ ઈન્ડિયા, ઈન્ડિયન પ્લાસ્ટિક્સ ડેવેલપમેન્ટ કોલેક્ટીવ, ગુજરાત સ્ટેટ પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, ક્વોન્ટિટી સ્ટેટ પ્લાસ્ટિક્સ એસોસિયેશન, મહારાષ્ટ્ર પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, કેરળ પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એસોસિયેશન, આંધ્ર પ્રદેશ પ્લાસ્ટિક્સ એસોસિયેશન, કેન્દ્રીય પ્લાસ્ટિક્સ મેન્યુફેક્ચરર્સ એન્ડ ટ્રેડર્સ એસોસિયેશનના પ્રમુખોએ હસ્તાક્ષર કરી આ પત્ર મોકલ્યો છે. ભારતમાં પ્લાસ્ટિક્સ ઉદ્યોગમાં ૫૦,૦૦૦થી વધુ પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસિંગ યુનિટો છે, જેમાંથી ૮૦ ટકા એમએસએમઈ છે. આ ક્ષેત્ર ૫૦ લાખથી વધુ લોકોને રોજગાર આપે છે અને દેશની જીડીપીમાં ૩.૫ ટકાના કરોડનું યોગદાન આપે છે. દેશમાં કાચા માલના ઉત્પાદકો દ્વારા કાચા માલની કિંમતમાં નાટકીય વધારાને લીધે પડી ભાંગવાને આરે આવેલા પ્લાસ્ટિક્સ પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગને બચાવી લેવા માટે મુદ્દતરૂપે વડાપ્રધાનને ચંદ્રકાંત તુરખિયાએ અનુરોધ કર્યો છે. છેલ્લા પાંચ મહિનામાં પીવીસી, એબીએસ, પોલીપ્રોપીલીન, પીસી, પીઈડી જેવા કાચા માલોની ભાવમાં ૨૦ અને ૧૪૦ ટકા વધે એમ પણ વડાપ્રધાનને અનુરોધ કરાયો છે.

या क्षेत्रामध्ये पन्नास लाखहून जास्त लोक कार्यरत असून देशाच्या सकल राष्ट्रीय उत्पन्नात तब्बल तीन लाख कोटी रुपयांचा वाटा या क्षेत्रातून येतो.

प्लास्टिक उत्पादक आणि प्रक्रिया उद्योगांचे पंतप्रधानांना साकडे नियामक प्राधिकरण नेमण्याची केली मागणी

मुंबई - देशातील कच्च्या मालाच्या उत्पादकांकडून किमतीमध्ये करण्यात येणाऱ्या भरमसाट भाववाढीमुळे संकटात आलेल्या उद्योगाला वाचवण्यासाठी तत्काळ मदत करावी, अशी विनंती देशातील दहा आघाडीच्या प्लास्टिक उत्पादक व प्रक्रिया संघटनांनी मा. पंतप्रधानांकडे केली आहे. प्लास्टिक उत्पादक आणि प्लास्टिक प्रक्रिया उद्योगांचे प्रतिनिधित्व करणाऱ्या देशभरातील दहाहूनही अधिक संघटनांनी माननीय पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांना पत्र लिहून या उद्योगासाठी नियामक प्राधिकरणाची स्थापना करण्याची मागणी केली आहे. त्या माध्यमातून पेट्रोकेमिकल्स उद्योगाकडून होणारी नफेखोरी आणि गटबाजी यांना आळा बसले आणि त्याद्वारे संकटात आलेला व उद्ध्वस्त होण्याच्या उंबरठ्यावर असलेला प्लास्टिक

उत्पादक आणि प्रक्रिया उद्योग वाचू शकेल, असेही नमूद करण्यात आले आहे. या संघटनांनी अंटी-डम्पिंग शुल्क व अनिवार्य योआयएस मानक उद्विष्याची मागणी केली असून, कच्च्या मालावर लावण्यात आलेले आगत शुल्क कमी करावे तसेच देशातून होणाऱ्या कच्च्या मालाच्या निर्यातीवर बंदी घालावी किंवा निर्यात आणखी असेसुद्धा या संघटनांनी म्हटले आहे. तसे केल्यासच हा उद्योग वाचू शकेल आणि चौंसारखा देशांबरोबर स्पर्धा करू शकेल, असेही नमूद करण्यात आले आहे.

२६ नोव्हेंबर रोजी पंतप्रधानांना दिलेल्या पत्रावर प्लास्टिक उत्पादक आणि प्रक्रिया उद्योगातील देशभरातील दहाहूनही अधिक संघटनांच्या प्रमुख पदाधिकाऱ्यांनी सहाय्य केल्या आहेत.

Plastic Makers Seek Regulator to Curb Undue Profiteering in Petrochem Industry

MUMBAI Plastic manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of complete collapse. In a letter written to the prime minister on November 26, plastic manufacturers and processors – represented by more than 10 associations across India – have jointly demanded setting up of a regulatory body, as per a statement



Plastic manufacturers and processors urge PM Modi to constitute regulatory authority to curb undue profiteering in petrochemicals industry

New Delhi/

Hyderabad, Dec 7: In a letter to Honourable Prime Minister Narendra Modi, plastic manufacturers, processors represented by more than 10 associations across the country, have demanded constitution of a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry, which they say has left the plastic manufacturing and processing industry on the verge of collapse. The associations also demanded a halt in imposition of anti-dumping duty, mandatory BIS standards, a decrease in import duty on raw materials, and a ban or restrictions on export of raw materials to enable the plastic industry to remain competitive with countries such as China.

Karnataka State Plastics Association; Mr. Ravi Jashnani, President, Maharashtra Plastics Manufacturers Association; Mr. Balakrishna Bhalkakune, President, Kerala Plastics Manufacturers Association; Mr. Vimallesh Gupta, President, Telangana and Andhra Plastics Manufacturers Association and Mr. B.A. Nazeer, President, Canara Plastic Manufacturers & Traders Association. The plastics industry in India constitutes of 50,000+ plastics processing units of which 90% are MSMEs. The sector directly employs more than 50 Lakhs people and contributes more than Rs. 3 Lakhs crores to the country's GDP.

In a letter written on November 26, 2020, Mr Chandrakant Turakhia, President, The All India Plastics Manufacturers Association has pleaded with the PM for help to save the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the dramatic increase in price of raw material by raw material manufacturers in the country. To elaborate their grievances the associations have said in the letter that the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased manifold ranging between 20 and 140% over the last five months. "The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units

and releasing the material after increasing the prices on regular intervals. Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner. Rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices," the letter has stated.

It has also mentioned that since the domestic petrochemical producers do not enter into forward contracts like overseas producers do, price play and manipulation by domestic companies become very easy. Domestic producers demand anti-dumping proceedings on select grades of polymers on which they are already charging premium due to constrained availability. Raw material manufacturers export the raw material in large quantities and create scarcity of the polymer raw materials. This has resulted in an exponential rise in price of raw material by petrochemicals companies in the last 5 months which is threatening the survival of thousands of plastics processing units in India, the letter has said.

As the result of the above-mentioned issues, the letter to the PM further states, "The industry which is already facing severe drop in the demand due to the pandemic, is further facing working capital and

related financial issues owing to the exponential increase in cost of the raw material. The growing threat of increased imports of plastics intermediate and finished goods from countries like China would prove to be a disaster to your vision and plan to make India 'Atm Nirbhar'.

As Indian plastics processing units have become highly uncompetitive in global market due to increase in raw material prices, export from India may take a severe hit. Indian plastic goods exporters are bound to become uncompetitive in the international market as polymer prices are 10-15% cheaper in the international market as compared to prices in India. "Said Mr. Arvind Mehta - Chairman Governing Council- The All India Plastics Manufacturers Association.

In the backdrop of the above scenario, the plastic manufacturers and processors have urged the PM to urgently constitute the Petrochemical Regulatory Authority; ensure that the PSUs like IOC, GAIL, BPCL support the domestic processing units by serving them in a fair manner and fair pricing mechanism. The industry players have also demanded that the government should immediately stop imposing Non-tariff barriers on raw material such as anti dumping duty and mandatory BIS standards as India is import dependent and consumption of several polymers is much higher than domestic production.

THE NEW INDIAN EXPRESS

Plastic industry seeks regulatory body

Hit by pandemic, the industry wants authority set up to check undue profiteering by petrochemicals producers

CHENNAI 900000

CHOKED by a shortage of raw materials, the Tamil Nadu plastics industry has been struggling to survive since the pandemic. To stay afloat, plastic processors are pressing for a regulatory authority to curb undue profiteering by petrochemicals producers.

The sector has been facing hardships – in the form of price hikes and poor supply of raw materials – since Covid-19 struck, explained Tamil Nadu Plastics Manufacturers Association (TAMPA) president S. Rajkumar. "Domestic prices have increased manifold without any consideration of the impact on processors. Many units are just trying to remain stable after the lockdown," he added.

Former president of Tamil Nadu Plastics Manufacturers Association B. Swaminathan said polymer producers want to introduce a minimum import price (MIP), which could unduly enrich them, and this was thwarted by TAMPA and other associations. Now, the processors are trying to seek levy on import of polymers. This will again give them an opportunity to hike

prices, said Swaminathan. He said domestic polymer producers, led by one company in particular, are holding the processing industry to ransom. The impact could soon be felt across the domestic industry, which is dependent on plastics. This includes sectors dealing with food and beverages, electricity, construction, automobiles and edible oil. "The list is huge as most sectors in India are dependent on plastics," said Swaminathan.

Rajesh Kumar Sayani, a partner with Plastomati, which has unit in Ambattur, told Express masthead that polypropylene, a thermoplastic polymer used in a wide variety of applications, was initially priced at ₹16,000 per metric tonne, but now costs ₹28,000 for the same quantity. This had a big impact on the industry in Tamil Nadu. Prices keep increasing as manufacturers, who are burdened by a lack of working capital, are shutting shop. The State has more than 8,000 manufacturers, and 60 per cent of them are in and around Chennai. The industry contributes ₹2,100 crore in GST to the nation, Swami-

कीकरान

पिनांमळक कच्चा पोराण विलेय कट्टुपुट्ट वेळण्टु

पिनांमळक कच्चा पोराण विलेय कट्टुपुट्ट वेळण्टु
देशातील कच्च्या मालाच्या उत्पादकांकडून किमतीमध्ये करण्यात येणाऱ्या भरमसाट भाववाढीमुळे संकटात आलेल्या उद्योगाला वाचवण्यासाठी तत्काळ मदत करावी, अशी विनंती देशातील दहा आघाडीच्या प्लास्टिक उत्पादक व प्रक्रिया संघटनांनी मा. पंतप्रधानांकडे केली आहे. प्लास्टिक उत्पादक आणि प्लास्टिक प्रक्रिया उद्योगांचे प्रतिनिधित्व करणाऱ्या देशभरातील दहाहूनही अधिक संघटनांनी माननीय पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांना पत्र लिहून या उद्योगासाठी नियामक प्राधिकरणाची स्थापना करण्याची मागणी केली आहे. त्या माध्यमातून पेट्रोकेमिकल्स उद्योगाकडून होणारी नफेखोरी आणि गटबाजी यांना आळा बसले आणि त्याद्वारे संकटात आलेला व उद्ध्वस्त होण्याच्या उंबरठ्यावर असलेला प्लास्टिक

Private E-Seval Center
STAR RAINBOW SERVICES
KADAPPALE
8144337349

HELLO MADRAS
CHENNAI DAILY 4 Pages
Saturday, Dec 05, 2020
MADRAS 4

KARNATAKA TRIST
98413 50935

Plastic manufacturers and processors urge Hon Prime Minister Narendra Modi to constitute regulatory authority to curb undue profiteering in petrochemicals industry

Chennai, Dec 05, 2020: The industry associations have pleaded for urgent steps to save the industry on the verge of collapse. Heads of 10 leading associations in the country urge Prime Minister Narendra Modi to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of complete collapse. In a letter to Honourable Prime Minister Narendra Modi, plastic manufacturers, processors represented by more than 10 associations across the country, have demanded constitution of a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry, which they say has left the plastic manufacturing and processing industry on the verge of collapse. The associations also demanded a halt in imposition of anti-dumping duty, mandatory BIS standards, a decrease in import duty on raw materials, and a ban or restrictions on export of raw materials to enable the plastic industry to remain competitive with countries such as China.

पुढारी

प्लास्टिक उद्योगाचे मोदींना साकडे उद्योगासाठी नियामक प्राधिकरणाची स्थापना करण्याची मागणी

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा
देशातील कच्च्या मालाच्या उत्पादकांकडून किमतीमध्ये करण्यात येणाऱ्या भरमसाट भाववाढीमुळे संकटात आलेल्या प्लास्टिक उद्योगाला वाचवण्यासाठी तत्काळ मदत करावी, अशी विनंती देशातील दहा आघाडीच्या प्लास्टिक उत्पादक व प्रक्रिया संघटनांनी मा. पंतप्रधानांकडे केली आहे. प्लास्टिक प्रक्रिया उद्योगाचे प्रतिनिधित्व करणाऱ्या देशभरातील दहाहून अधिक संघटनांनी पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांना पत्र लिहून या उद्योगासाठी नियामक प्राधिकरणाची स्थापना करण्याची मागणी केली आहे. त्या माध्यमातून पेट्रोकेमिकल्स उद्योगाकडून होणारी नफेखोरी आणि गटबाजी यांना आळा बसले, असा दावा करण्यात आला आहे.

વાસ્તિકપ્રોસેસિંગયુનિટદ્વારે, જેમાંથી ૭૦ ટકા એમસસનેઅઉપ છે. લેટ ૧૦ બાબથી વધુ લોકોને રોજગાર આપે છે અને દેશની જીડીપીમાં ૨.૩૫% વધારાકરનુંયોગદાન આપે છે. દેશમાંક્રમશઃમાલનાંત્રીપ્રત્યક્ષરૂપેકામ માલોનીફિનમાંમોટાપાયવાણાનેલીધેપરિ માંગવાળાં આંચકાવાળા વાસ્તિકસેક્ટ પ્રોસેસિંગ ઉદ્યોગને બચાવી લેવા માટે મદદરૂપ થવા માટે પ્રધાનને શ્રી સંક્રાંત તુરપિયાએ અનુરોધ કર્યો છે. છેલ્લા પાંચ વર્ષમાંપાન પીલીટી, એબીએસ, પોલીથેનપાયલટી, પીસ્ટી, પીઈટીજેવાકચ્ચ માલોનીફિનરોએ ૧૪૦૮૩ વસ્ત્રસે અંકડાનીચી છે. પેપરોફિનકચ્ચનીચો ગરજઆગ્રાનાંપ્રોસેસિંગ યુનિટસનેપુરવઠો નિર્માત કંડી અને નિર્માત અંતરે કિંમતોમાં વધારો કર્યા પછી સામગ્રી છીડીને પોલોમરનીવધારામાંઉપજાવવામાંલેઈ રહી છે. બદનસીલે પીએસકુ પણ માનવી બેલીટીઓ સાથે જોડાઈ છે અને તેમને તાલે નાવી સેવા આપી નથી. ઘરઆગળગ્રાનાં ઉદ્યોગો દેશવાર કિંમતનાં વધારો આનતરરાષ્ટ્રીયકિંમતી તુલનામાં ન્યાયી નથી એમ પાન જણાવે છે.

Plastic manufacturers urge PM Modi to constitute regulatory authority | Deccan Herald

The sector directly employs over 50 lakh people and contributes more than Rs 3 lakh crore to the country's GDP

Mrityunjay Bose, DHNS, Mumbai, Dec 02 2020, 15:37 ist updated: Dec 02 2020, 15:37 ist



Plastic manufacturers and processors urge Prime Minister Narendra Modi to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry.

Around a dozen industry associations have also demanded to stop imposing an anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban/restrict export of raw material from the country to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China. The plastics industry in India consists of 50,000+ plastics processing units of which 90% are MSMEs.

In a letter, Chandrakant Turakhia, President of The All India Plastics Manufacturers Association has pleaded with the PM for help 'to save the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the dramatic increase in the price of raw material by raw material manufacturers in the country.'

To elaborate their grievances the associations have said in the letter that the prices of raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased multifold ranging between 20 and 140% over the last five months. "The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices at regular intervals.

Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner. The rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices," the letter has stated.

It has also mentioned that since domestic petrochemical producers do not enter into forward contracts like overseas producers do, price play and manipulation by domestic companies become very easy. Domestic producers demand anti-dumping proceedings on select grades of polymers on which they are already charging premium due to constrained availability. Raw material manufacturers export raw material in large quantities and create scarcity of the polymer raw materials. This has resulted in an exponential rise in the price of raw material by petrochemicals companies in the last 5 months which is threatening the survival of thousands of plastics processing units in India, the letter has said.

It has been signed by heads of the various plastics manufacturing and processors associations.

Source : <https://bit.ly/2JG6HIs>

Plastics industry urges PM to set up Petrochemical regulatory authority

Chennai, Dec 4 (UNI) Heads of ten leading plastics associations in the country has urged Prime Minister Narendra Modi to set up a Petrochemical regulatory authority to save Plastics processing

Source : <https://bit.ly/37lynV0>

Plastic cos seek regulator for raw material pricing, easing of imports | Business Line

Our Bureau Mumbai | Updated on December 02, 2020 Published on December 02, 2020



Plastic manufacturers and processors have urged Prime Minister Narendra Modi to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering by petrochemical companies.

Hit by sharp increase in price of raw material (resin), ten leading plastics associations have written to Modi demanding constitution of Petrochemical Regulatory Authority to ensure that the PSUs such as IOCL, GAIL, BPCL support the domestic processing units by ensuring adequate supply at a fair price.

‘Ease raw material imports’

They urged the government to stop imposing barriers such as anti dumping duty and mandatory BIS standards as demand for several polymers exceed domestic production.

They also want an immediate ban on export of raw material to ease domestic supply and check price rise.

The plastics industry consists of over 50,000 plastics processing units of which 90 per cent are MSME's. It contributes more than ₹3 lakh crore to the country's GDP.

Prices soaring

Chandrakant Turakhia, President, the All India Plastics Manufacturers Association said the prices of the raw materials such as PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased by 20-140 per cent over the last five months.

“The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices at regular intervals,” he said in the letter.

Compared to international prices, the rationale for price increase by domestic producers are not justified, he added.

Since domestic petrochemical producers do not enter into forward contracts like in overseas, price manipulation by domestic companies become easy, it said.

Finished goods

The growing threat of imports of plastics intermediate and finished goods from China would prove to be a disaster to make India ‘Atma Nirbhar’.

Indian plastics processing units have become highly uncompetitive in the global market as polymer prices are 10-15 per cent cheaper in the international market, said Arvind Mehta, Chairman Governing Council, the All India Plastics Manufacturers Association.

Source : <https://bit.ly/37FLsP5>

Plastic industry seeks setting up regulatory body to curb undue profiteering in petchem industry

Wed, 2 December, 2020, 4:57 pm IST · 2-min read

Mumbai, Dec 2 (PTI) Plastic manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of complete collapse.

In a letter written to Prime Minister Narendra Modi on November 26, plastic manufacturers and processors -- represented by more than 10 associations across the country -- have jointly demanded setting up of a regulatory body, according to a statement.

The associations have also demanded to stop imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban or restrict export of raw material to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China.

The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSME's employing more than 50 lakhs people directly and contributing more than Rs 3 lakhs crore to the country's GDP.

The associations have urged the prime minister to help the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the sharp increase in price of raw material by raw material manufacturers in the country.

To elaborate their grievances, the associations have said in the letter that the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased multi-fold ranging between 20 and 140 per cent over the last five months.

'The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals. 'Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner. Rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices,' the letter has stated.

Domestic producers demand anti-dumping proceedings on select grades of polymers on which they are already charging premium due to constrained availability. Raw material manufacturers export the raw material in large quantities and create scarcity of the polymer raw materials resulting in an exponential rise in price of raw material by petrochemicals companies in the last five months, the letter has said.

The plastic manufacturers and processors have sought to constitute the Petrochemical Regulatory Authority to ensure that the PSUs like IOCL, GAIL, BPCL support the domestic processing units by serving them in a fair manner and fair pricing mechanism.

The industry players have further demanded that the government should immediately stop imposing non-tariff barriers on raw material such as anti-dumping duty and mandatory BIS standards as India is import dependent and consumption of several polymers is much higher than domestic production.

They have also demanded an immediate ban on export of raw material from India to ease out the supply in the country and to check the price rise, the letter added. PTI SM MKJ

Source : <https://bit.ly/33LMwQ8>

Plastic Industry Seeks Setting Up Regulatory Body To Curb Undue Profiteering In Petrochem Industry

The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSME's employing more than 50 lakhs people directly and contributing more than Rs 3 lakhs crore to the country's GDP.

02 December, 2020 by BW Online Bureau

Plastic manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of complete collapse.

In a letter written to Prime Minister Narendra Modi on November 26, plastic manufacturers and processors -- represented by more than 10 associations across the country -- have jointly demanded setting up of a regulatory body, according to a statement.



The associations have also demanded to stop imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban or restrict export of raw material to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China.

The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSME's employing more than 50 lakhs people directly and contributing more than Rs 3 lakhs crore to the country's GDP.

The associations have urged the prime minister to help the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the sharp increase in price of raw material by raw material manufacturers in the country.

To elaborate their grievances, the associations have said in the letter that the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased multi-fold ranging between 20 and 140 per cent over the last five months.

'The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals. 'Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner. Rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices,' the letter has stated.

Domestic producers demand anti-dumping proceedings on select grades of polymers on which they are already charging premium due to constrained availability. Raw material manufacturers export the raw material in large quantities and create scarcity of the polymer raw materials resulting in an exponential rise in price of raw material by petrochemicals companies in the last five months, the letter has said.

The plastic manufacturers and processors have sought to constitute the Petrochemical Regulatory Authority to ensure that the PSUs like IOCL, GAIL, BPCL support the domestic processing units by serving them in a fair manner and fair pricing mechanism.

The industry players have further demanded that the government should immediately stop imposing non-tariff barriers on raw material such as anti-dumping duty and mandatory BIS standards as India is import dependent and consumption of several polymers is much higher than domestic production.

They have also demanded an immediate ban on export of raw material from India to ease out the supply in the country and to check the price rise, the letter added.

(PTI)

Polymer prices zoom to record high on supply shortage, import woes

The sharp rise in prices of polymer products has led to protests by the All India Plastic Manufacturers Association, which sought the intervention of Prime Minister Narendra Modi.

Subramani Mancombu | Dec 5, 2020 / 03:57 PM IST



Subramani Mancombu

Prices of polymer products in India have surged to record highs currently as supplies have not been able to meet domestic demand.

“Polymer supplies are too low unable to match demand. Imports of polymers have been affected due to various problems resulting in local manufacturers raising the prices,” said an industry source on condition of anonymity.

Polymer prices have been rising since the last four months, particularly after the government eased the lockdown curbs imposed from March 24 this year to tackle the spread of novel Coronavirus (COVID-19).

The latest instalment of the hike was made on December 1 when prices of polymer products were up to Rs 5,000 a tonne.

While polypropylene prices were increased by Rs 4,000 a tonne, those of polyester fibre and filament grades by Rs 5,000 a tonne. High-density poly ethylene (HDPE) rates have been upped by Rs 2,000-3,000 a tonne depending on grades.

Prices of linear low-density poly ethylene prices have been raised by Rs 5,000 to Rs 6,000 a tonne, based on grades.

Prices of polymer products have been raised by almost domestic producers, both private and government players. The companies that stand to benefit from these hikes are Oil and Natural Gas Corporation's Petro Additions Ltd (OPAL), Indian Oil Corporation, Mangalore Refineries and Petrochemicals Ltd, Reliance Industries, Haldia Petrochemicals, and Gas Authority of India Ltd (GAIL).

“Imports have been affected as shipping firms have not got ample material to set on sail since exporters are

waiting for shipping freight to soften,” said the source.

According to Trading Economics, the Baltic dry index, a benchmark index for moving raw materials by sea, has gained 22.64 per cent year-or-year, though it declined 2.68 per cent this week.

The industry source said that prices of polymer products dropped sharply during April-May when the Coronavirus lockdown was in full force and industrial units shut down. Since then, prices have increased by 30 percent to 60 percent.

The sharp rise in prices of polymer products has led to protests by the All India Plastic Manufacturers Association, which sought the intervention of Prime Minister Narendra Modi.

The association in a letter to Modi, which was also published as advertisements in the print media on December 1, said the domestic manufacturers of polymer products have increased the prices “exponentially” threatening the survival of plastic processing industry.

The plastic manufacturers’ finances have been stretched, particularly their work capital needs, the association said, seeking the setting up of a Petrochemical Regulatory Authority to supervise the polymer markets.

The plastic manufacturers also expressed the fear that the surge in prices of polymer products would lead to import of plastics intermediaries and finished goods from China and other countries. This, in turn, could be a setback to the Union Government’s “Atmanirbhar Bharat Abhiyan” programmed to make India self-sufficient in the manufacture of various products, the association said.

The industry source said that there was little scope for government intervention since the polymer products manufacturers had to silently bear when global producers dumped their products in India.

“Prices of polymer products crashed and the government did not offer any help,” he said.

On the other hand, despite the prices zooming to record highs, there was a demand for polymer products.

“If polymer product prices are high, how are plastic manufacturers able to sell their products? They are continuing to buy polymer products. Probably, their margins are squeezed,” the source said.

Conceding that working capital needs of plastic manufacturers would increase by 30 to 40 percent, he said they continued to place orders once in every 10 days despite a regular hike in prices.

A 2013 study by Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FCCI) said the plastics industry was one of the fastest growing sectors, registering an eight percent compounded annual growth during 2018-2013.

However, India faced an overall deficit of supply compared with domestic production and the shortage was made good through imports.

(Subramani Ra Mancombu is a journalist based in Chennai, who writes on topics in commodities and agriculture)

Disclaimer: The views and investment tips expressed by experts on Moneycontrol.com are their own and not those of the website or its management. Moneycontrol.com advises users to check with certified experts before taking any investment decisions.

Source : <https://bit.ly/3mXTHw3>

Plastic makers seek regulatory authority to curb profiteering in petrochem industry

MUMBAI, December 03, 2020 20:41 IST

Plastic manufacturers and processors, represented by more than 10 associations, have demanded the constitution of a regulatory authority to curb 'consortium, undue profiteering' in the petrochemicals industry, which has left them on the 'verge of collapse.'

The industry associations have asked the government to stop imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban/restrict export of raw material to enable the industry to survive and remain competitive.

In a letter, Chandrakant Turakhia, president, The All India Plastics Manufacturers Association, has urged the Prime Minister 'to save the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the dramatic increase in price of raw material by raw material manufacturers in the country.'

"The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals. Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and not serving in a fair manner. Rationale of price increase by domestic industries are not justified as compared to international prices," the letter had stated.

"Urgently constitute the Petrochemical Regulatory Authority; ensure that PSUs like IOCL, GAIL, BPCL support the domestic processing units by serving them in a fair manner and fair pricing mechanism," the letter added.

It also mentions that since the domestic petrochemical producers do not enter into forward contracts like overseas producers, price play and manipulation by domestic companies have become very easy.

The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units of which 90% are MSMEs. The sector directly employs more than 50 lakh people and contributes more than ₹3 lakh crore to the country's GDP.

Source : <https://bit.ly/3oz9ySh>

Plastic manufacturers urge PM Modi to constitute regulatory authority

Wednesday, 02 Dec, 3.37 pm Deccan Herald



Mrityunjay Bose,

Plastic manufacturers and processors urge Prime Minister Narendra Modi to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry.

Around a dozen industry associations have also demanded to stop imposing an anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban/restrict export of raw material from the country to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China. The plastics industry in India consists of 50,000+ plastics processing units of which 90% are MSMEs.

In a letter, Chandrakant Turakhia, President of The All India Plastics Manufacturers Association has pleaded with the PM for help 'to save the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the dramatic increase in the price of raw material by raw material manufacturers in the country.'

To elaborate their grievances the associations have said in the letter that the prices of raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased multifold ranging between 20 and 140% over the last five months. 'The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices at regular intervals.

Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner. The rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices,' the letter has stated.

It has also mentioned that since domestic petrochemical producers do not enter into forward contracts like overseas producers do, price play and manipulation by domestic companies become very easy. Domestic producers demand anti-dumping proceedings on select grades of polymers on which they are already charging premium due to constrained availability. Raw material manufacturers export raw material in large quantities and create scarcity of the polymer raw materials. This has resulted in an exponential rise in the price of raw material by petrochemicals companies in the last 5 months which is threatening the survival of thousands of plastics processing units in India, the letter has said.

It has been signed by heads of the various plastics manufacturing and processors associations.

Source : <https://bit.ly/2lwx7vO>

Plastic industry seeks setting up regulatory body to curb undue profiteering in petchem industry

In a letter written to Prime Minister Narendra Modi on November 26, plastic manufacturers and processors -- represented by more than 10 associations across the country -- have jointly demanded setting up of a regulatory body, according to a statement. The associations have also demanded to stop imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban or restrict export of raw material to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China.

PTI | Mumbai | Updated: 02-12-2020 17:57 IST | Created: 02-12-2020 17:00 IST



Representative Image Image Credit: ANI

Plastic manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of complete collapse. In a letter written to Prime Minister Narendra Modi on November 26, plastic manufacturers and processors -- represented by more than 10 associations across the country -- have jointly demanded setting up of a regulatory body, according to a statement.

The associations have also demanded to stop imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban or restrict export of raw material to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China. The plastics industry in India

consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSME's employing more than 50 lakhs people directly and contributing more than Rs 3 lakhs crore to the country's GDP.

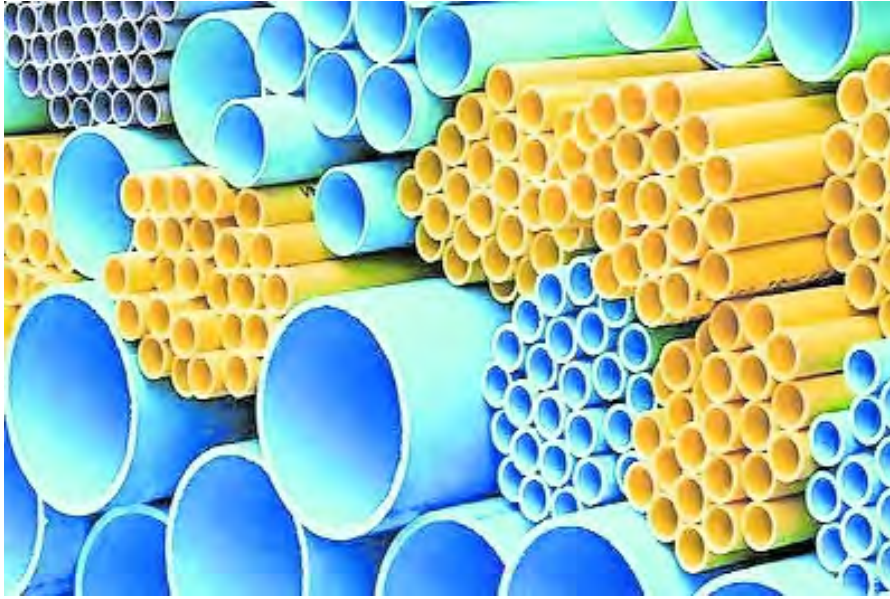
The associations have urged the prime minister to help the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the sharp increase in price of raw material by raw material manufacturers in the country. To elaborate their grievances, the associations have said in the letter that the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased multi-fold ranging between 20 and 140 per cent over the last five months. "The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals. "Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner. Rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices," the letter has stated. Domestic producers demand anti-dumping proceedings on select grades of polymers on which they are already charging premium due to constrained availability. Raw material manufacturers export the raw material in large quantities and create scarcity of the polymer raw materials resulting in an exponential rise in price of raw material by petrochemicals companies in the last five months, the letter has said.

The plastic manufacturers and processors have sought to constitute the Petrochemical Regulatory Authority to ensure that the PSUs like IOCL, GAIL, BPCL support the domestic processing units by serving them in a fair manner and fair pricing mechanism. The industry players have further demanded that the government should immediately stop imposing non-tariff barriers on raw material such as anti-dumping duty and mandatory BIS standards as India is import dependent and consumption of several polymers is much higher than domestic production. They have also demanded an immediate ban on export of raw material from India to ease out the supply in the country and to check the price rise, the letter added.

Source : <https://bit.ly/39SEhpa>

Plastic industry seeks setting up regulatory body

Date :03-Dec-2020



Business Bureau :

PLASTIC manufacturers and processors have urged the government to constitute a regulatory authority to curb undue profiteering in the petrochemicals industry that has left the plastic processing sector on the verge of complete collapse. In a letter written to Prime Minister Narendra Modi recently, plastic manufacturers and processors -- represented by more than 10 associations across the country -- have jointly demanded setting up of a regulatory body, according to a statement.

The associations have also demanded to stop imposing anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban or restrict export of raw material to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China. The plastics industry in India consists of over 50,000 plastics processing units, of which 90 per cent are MSME's employing more than 50 lakhs people directly and contributing more than Rs 3 lakhs crore to the country's GDP. The associations have urged the Prime Minister to help the plastics processing industry which is on the verge of collapse due to the sharp increase in price of raw material by raw material manufacturers in the country.

To elaborate their grievances, the associations have said in the letter that the prices of the raw materials like PVC, ABS, polypropylene, PC, PET have increased multi-fold ranging between 20 and 140 per cent over the last five months. The petrochemical companies are taking advantage of the surge in polymer prices by restricting the supplies to domestic processing units and releasing the material after increasing the prices on regular intervals. "Unfortunately, PSUs have also joined hands with private players and are dancing to their tunes and are not serving the processing industries in a fair manner. Rationale of price increased by domestic industries are not justified as compared to international prices," the letter has stated.

Source : <https://bit.ly/3gqowHs>



TIMES OF INDIA

Plastics industry bodies seek petrochemical regulator

TNN | Dec 11, 2020, 06:32 IST

Kolkata: Indian Plastics Federation and nine other associations have demanded setting up of a petrochemical regulator. In a letter to Prime Minister Narendra Modi, they have pointed out that a regulatory authority to curb the consortium, undue profiteering in the petrochemicals industry is needed.

The industry associations have also demanded curb on anti-dumping duty, mandatory BIS standards, decrease import duty on raw material and ban/restrict export of raw material from the country to enable the plastic industry to survive and remain competitive with other countries like China.

The plastics industry in India constitutes of 50,000+ plastics processing units of which 90% are MSMEs. The sector directly employs more than 50 lakh people and contributes more than Rs 3 lakh crore to the country's GDP.

The federation along with around 900 members, most of them from eastern India, has been working for the promotion and development of plastics industry and for the protection and safeguard the interests of plastic industry, particularly in the eastern region.

Source : <https://bit.ly/3acY2bh>

Press Coverage

Ahmedabad Press Coverage

- Gujarat Today - 3rd December 2020
- Ahmedabad Express - 3rd December 2020
- Western Times- 3rd December 2020
- Economic Times- 3rd December 2020
- Business Line- 3rd December 2020
- Indian Express- 3rd December 2020
- Janmabhoomi- 3rd December 2020
- Phulchhab- 4th December 2020
- Gujarat Samachar- 4th December 2020
- Financial Express - 4th December 2020
- Rajasthan Patrika- 4th December 2020
- Mumbai Samachar- 5th December 2020
- Divya Bhaskar- 5th December 2020
- Jai Hind -5th December 2020
- Divya Bhaskar -7th December 2020
- Loktej- (Ahmadabad) 3rd December 2020
- Prabhat - (Ahmadabad) 3rd December 2020
- Avadh Times- (Ahmadabad) 3rd December 2020
- Vadodara Samachar - (Ahmadabad) 5th December 2020

Mumbai Press Coverage

- Economic Times- 3rd December 2020
- Business Line- 3rd December 2020
- Financial Express- 3rd December 2020
- Indian Express- 3rd December 2020
- Loksatta-3rd December 2020
- Navbharat - 3rd December 2020
- Punya Nagari-3rd December 2020
- Janmabhoomi- 3rd December 2020
- Urdu News - 3rd December 2020
- Gujarat Samachar - 4th December 2020
- Lokmat- 4th December 2020
- Maharashtra Times- 4th December 2020
- Navrashtra- 4th December 2020
- Navshakti- 4th December 2020
- Rajasthan Patrika- 4th December 2020
- Mumbai Samachar- 5th December 2020
- Divya Bhaskar- 5th December 2020
- Prahaar- 5th December 2020
- Times of India- 7th December 2020
- Divya Bhaskar- 7th December 2020
- Pudhari- 7th December 2020

Chennai Press Coverage

- Trinity Mirror- Chennai-15th December 2020
- Makkal Kural- Chennai- 9th December 2020
- New Indian Express - Chennai- 7th December 2020
- Daily Madras- Chennai- 5th December 2020
- Financial Express- Chennai- 4th December 2020
- The Hindu.com- Chennai- 4th December 2020
- The Economic Times - Chennai- 3rd December 2020
- Hindu Business Line- Chennai- 3rd December 2020

Hyderabad Press Coverage

- Sky Line - Hyderabad-16th December 2020
- Surya - Hyderabad-12th December 2020
- Pioneer - Hyderabad-7th December 2020
- Deccan Chronicle - Hyderabad-3rd December 2020
- Financial Express- - Hyderabad- 4th December 2020
- The Economic Times - Chennai- 3rd December 2020
- Hindu Business Line- Chennai- 3rd December 2020

West Bengal Press Coverage

- Ei Samay - Kolkata- 8th December 2020
- North East Times - 8th December 2020
- The Statesman -Kolkata- 7th December 2020
- Aaj Kal -Kolkatta- 8th December 2020
- Sentinel-Kolkata- 8th December 2020
- Hindu -Business Line .com.-2nd December 2020

Delhi Press Coverage

- The Statesman - 7th December 2020
- The Pioneer - 7th December 2020
- Vir Arjun-5th December 2020
- Financial Express- 3rd December 2020
- Rajasthan Patrika- 4th December 2020
- The Economic Times -3rd December 2020
- Indian Express- 3rd December 2020
- Urdu News - 3rd December 2020
- Asian Age- 3rd December 2020
- www.devdiscourse.com.2nd December 2020
- www.Newsdig.com.docx-2nd December 2020
- The Hitawada.com-2nd December 2020
- Thefinancialtimes.com & Moneycontrol.com-5th December 2020
- FINANCIALEXPRESS.COM.-2nd December 2020
- The Hindu.com-2nd December 2020
- Yahoo News-2nd December 2020
- Hindu -Business Line .com.-2nd December 2020
- Business World. Com- 2nd December 2020
- The Deccan Herald.com-2nd December 2020